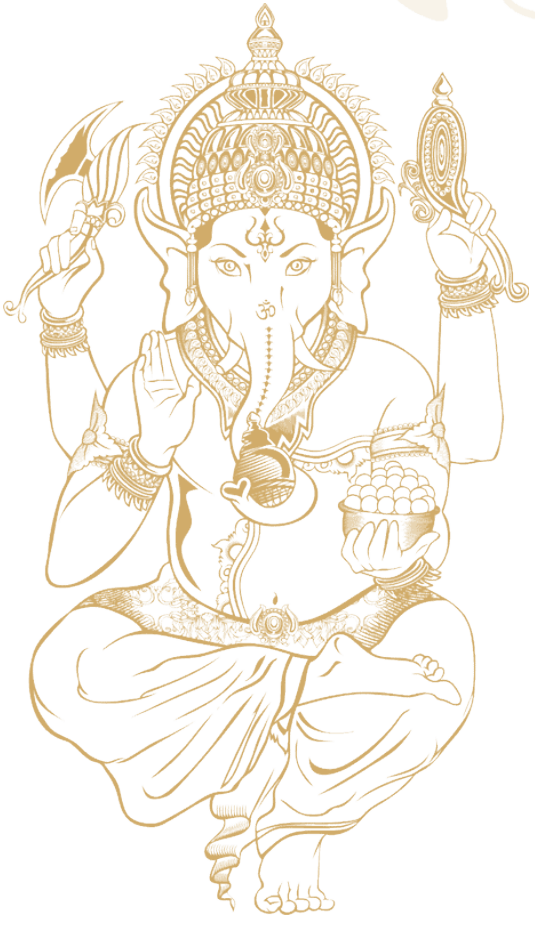

Princi

10 Mar 2001

11:42 AM

Bareilly

Model: web-freekundliweb

Order No: 121503806

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**10/03/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:42:00 घंटे**
इष्ट	13:04:44 घटी
स्थान	**Bareilly**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:20:00 उत्तर
रेखांश	79:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:12:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:29:36 घंटे
वेलान्तर	-00:10:18 घंटे
साम्पातिक काल	22:41:34 घंटे
सूर्योदय	06:28:06 घंटे
सूर्यास्त	18:17:43 घंटे
दिनमान	11:49:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:51:58 कुम्भ
लग्न के अंश	00:27:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शूल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	टो-टोनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:27:54	340:18:03	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कुंभ	25:51:58	00:59:55	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	03:17:51	14:51:15	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	17:43:57	00:27:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध			मक	28:25:51	00:57:21	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			वृष	10:23:13	00:07:53	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	23:49:48	00:03:00	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	01:57:21	00:04:34	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:15:07	00:10:01	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:15:07	00:10:01	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष			मक	28:34:06	00:03:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	13:54:49	00:01:49	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:23:34	00:00:16	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:54:18	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:09

लग्न-चलित

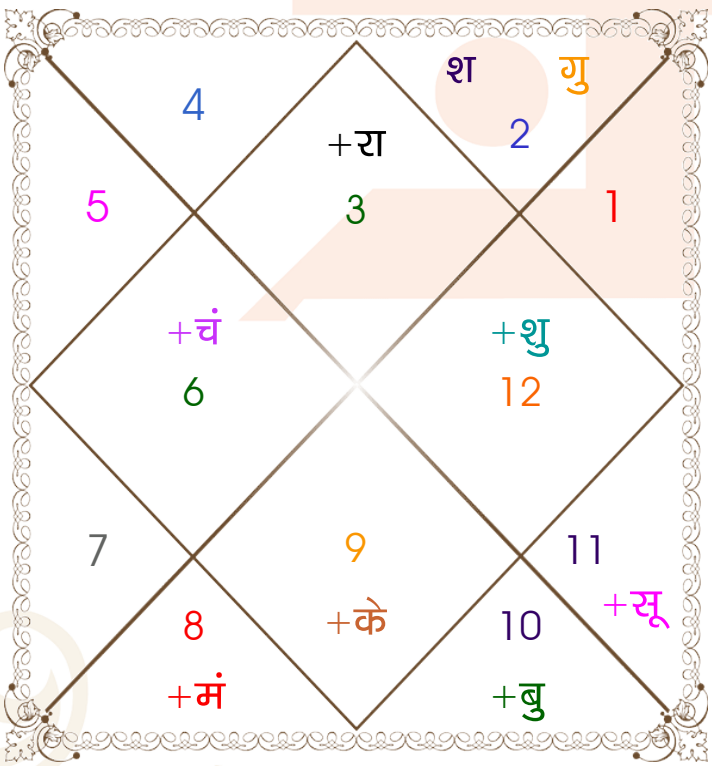

चन्द्र कुंडली

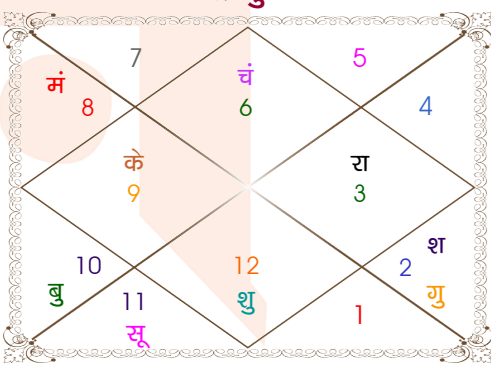

नवमांश कुंडली

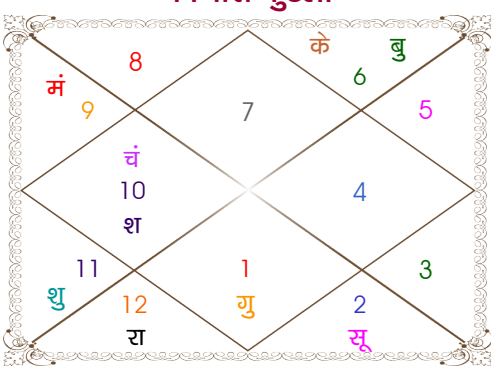

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 0 मास 5 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/03/2001		16/03/2004		16/03/2014		16/03/2021		16/03/2039	
16/03/2004		16/03/2014		16/03/2021		16/03/2039		16/03/2055	
	00/00/0000	चंद्र	14/01/2005	मंगल	12/08/2014	राहु	27/11/2023	गुरु	04/05/2041
	00/00/0000	मंगल	15/08/2005	राहु	31/08/2015	गुरु	22/04/2026	शनि	15/11/2043
	00/00/0000	राहु	14/02/2007	गुरु	06/08/2016	शनि	26/02/2029	बुध	20/02/2046
	00/00/0000	गुरु	15/06/2008	शनि	14/09/2017	बुध	15/09/2031	केतु	27/01/2047
	10/03/2001	शनि	14/01/2010	बुध	12/09/2018	केतु	02/10/2032	शुक्र	27/09/2049
शनि	02/01/2002	बुध	16/06/2011	केतु	08/02/2019	शुक्र	03/10/2035	सूर्य	16/07/2050
बुध	09/11/2002	केतु	15/01/2012	शुक्र	09/04/2020	सूर्य	27/08/2036	चंद्र	15/11/2051
केतु	16/03/2003	शुक्र	14/09/2013	सूर्य	15/08/2020	चंद्र	26/02/2038	मंगल	21/10/2052
शुक्र	16/03/2004	सूर्य	16/03/2014	चंद्र	16/03/2021	मंगल	16/03/2039	राहु	16/03/2055

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/03/2055		16/03/2074		16/03/2091		16/03/2098		17/03/2118	
16/03/2074		16/03/2091		16/03/2098		17/03/2118		00/00/0000	
शनि	19/03/2058	बुध	12/08/2076	केतु	13/08/2091	शुक्र	17/07/2101	सूर्य	05/07/2118
बुध	26/11/2060	केतु	09/08/2077	शुक्र	12/10/2092	सूर्य	17/07/2102	चंद्र	03/01/2119
केतु	05/01/2062	शुक्र	09/06/2080	सूर्य	16/02/2093	चंद्र	17/03/2104	मंगल	11/05/2119
शुक्र	07/03/2065	सूर्य	15/04/2081	चंद्र	18/09/2093	मंगल	17/05/2105	राहु	04/04/2120
सूर्य	17/02/2066	चंद्र	15/09/2082	मंगल	14/02/2094	राहु	16/05/2108	गुरु	21/01/2121
चंद्र	18/09/2067	मंगल	12/09/2083	राहु	04/03/2095	गुरु	15/01/2111	शनि	11/03/2121
मंगल	27/10/2068	राहु	31/03/2086	गुरु	08/02/2096	शनि	17/03/2114		00/00/0000
राहु	03/09/2071	गुरु	06/07/2088	शनि	19/03/2097	बुध	15/01/2117		00/00/0000
गुरु	16/03/2074	शनि	16/03/2091	बुध	16/03/2098	केतु	17/03/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।